अनुक्रमणिका

- ❖ प्रमाण पत्र
- ❖ घोषणा पत्र
- ❖ आभार

अध्याय 1:- शोध विषय का परिचय **पृ.क्र. 1-20**

1.1 प्रस्तावना- शोध विषय का परिचय

1.2 साहित्य का पूर्वालोकन

1.3 अध्ययन का कार्यकाल

1.4 अध्ययन क्षेत्र का परिचय

1.5 अध्ययन की अवश्यकता

1.6 शोध प्रविधि

- ❖ शोध-पद्धति एवं तथ्य संकलन
- ❖ शोध का संदर्भ

1.7 अध्ययन के उद्देश्य एवं महत्व:

1.8 शोध की परिकल्पना

1.9 अध्यायीकरण

अध्याय 2 : दुसाध जाति की ऐतिहासिक पृष्टभूमि **पृ.क्र. 21-33**

2.1 दुसाध जाति की ऐतिहासिक पृष्टभूमि

2.2 दुसाध जाति को अर्थ -

2.3 दुसाध जाति में सिसौदिया उपजाति का रूपरेखा –

अध्याय 3: दुसाध जाति की पारंपरिक संस्कृति पृ.क्र. 34-65

3.1 पारंपरिक संस्कृति का स्वरूप

3.2 परंपरा के अनुप्राणित संस्कृति

3.3 दुसाध जाति: सामाजिक एवं आर्थिक पृष्ठभूमि

3.4 दुसाध जाति लोक कलाओं का विकास, लोकगाथा

3.5 दुसाध जातिः समाज और संस्कृति

3.6 संस्कृति की पहचान

3.7 महिलाए परंपरा एवं उनकी संस्कृति

3.8 दलित समाज की पहचान

3.9- वैवाहिक रीतिरिवाज

3.10- विभिन्न स्तर एवं वैवाहिक प्रक्रिया

3.11- दुसाध जाति का शैक्षिणिक परिवर्तन

3.12 लोकगीत एवं लोक-नृत्य

3.13 **3.13** दुसाध जाति का शैक्षिणिक परिवर्तन

अध्याय –4 आधुनिक समाज में दलित विचारक पृ.क्र. 66-90

4.1 दलित समाजः ऐतिहासिक पृष्ठभूमि -

4.2 दलित इतिहास का स्वरूप-

4.3दलित अस्पृश्य: जाति विषयक शोध अध्ययन

4.5 कोसांबी के अनुसार, दलित,

4.6 आधुनिक समाज में दलित विचारक -

4.7 युगपरिवर्तनकारी फुले -

4.8 डॉ अंबेडकर: दलित विमर्श

4.9 दलित विमर्श का श्वर: डॉ अंबेडकर

4.10 बाबू जगजीवन राम और राष्ट्रवादी विमर्श-

4.11 संरचनांत्मक परिवर्तनकारी कांशीराम-

4.12 दलित बौद्धिकता और सांस्कृतिक परिवर्तन -

4.13 आधुनिकता में बहुजन -

4.14 दलित विमर्श

अध्याय 5- आकड़ों का विलेष्ण **पृ.क्र. 91-132**

- **निष्कर्ष एवं सुझाव** **पृ.क्र. 133-137**
- **संदर्भ ग्रंथ-सूची –**
- **परिशिष्ट-**